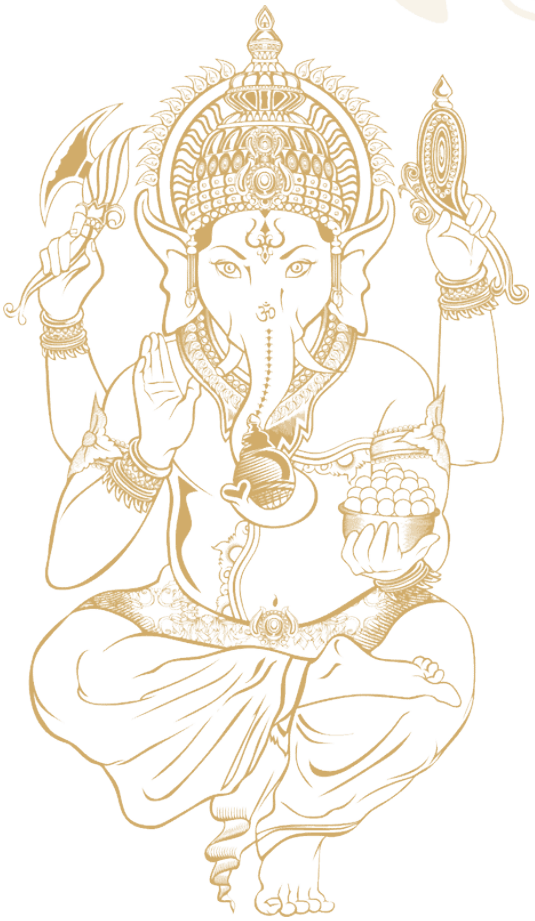

Shiv Kumar Sharma

25 Dec 1974

04:00 AM

Sikar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121703302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24-25/12/1974**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**04:00:00 घंटे**
इष्ट	51:46:50 घटी
स्थान	**Sikar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:51:00 उत्तर
रेखांश	75:14:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:29:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:30:56 घंटे
वेलान्तर	00:00:37 घंटे
साम्पातिक काल	09:43:11 घंटे
सूर्योदय	07:17:16 घंटे
सूर्यास्त	17:39:43 घंटे
दिनमान	10:22:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	09:13:41 धनु
लग्न के अंश	25:12:53 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शिव
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ली-लीलाधर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	25:12:53	308:41:18	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
सूर्य			धनु	09:13:41	01:01:07	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			मेष	14:56:37	13:00:21	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल			वृश्चि	16:24:09	00:42:43	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	स्वराशि
बुध		अ	धनु	12:08:26	01:35:54	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	सम राशि
गुरु			कुंभ	18:40:16	00:09:09	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	सम राशि
शुक्र			धनु	21:00:20	01:15:19	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
शनि	व		मिथु	22:55:55	00:04:44	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
राहु			वृश्चि	16:37:34	00:01:45	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	शत्रु राशि
केतु			वृष	16:37:34	00:01:45	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	सम राशि
हर्ष			तुला	08:07:02	00:02:16	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
नेप			वृश्चि	16:40:36	00:02:07	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
प्लूटो			कन्या	15:39:06	00:00:37	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	29:57:26	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:30:43

लग्न-चलित

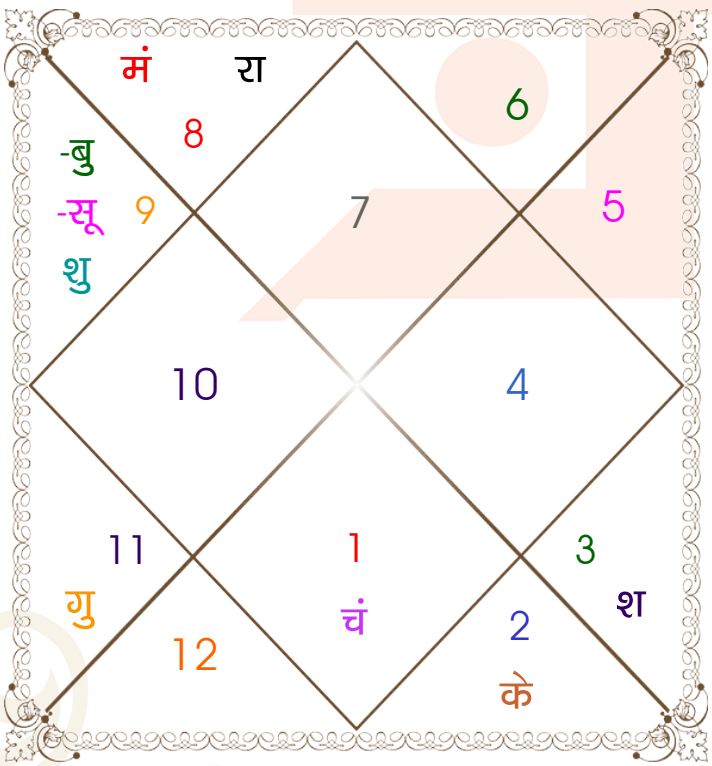

चन्द्र कुंडली

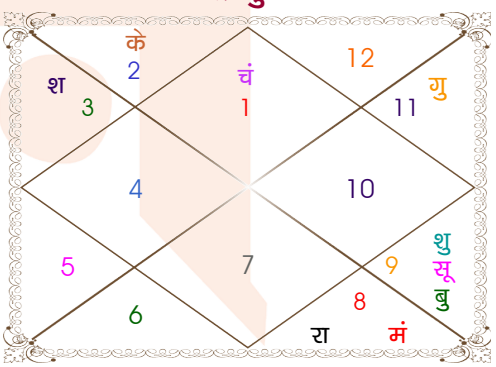

नवमांश कुंडली

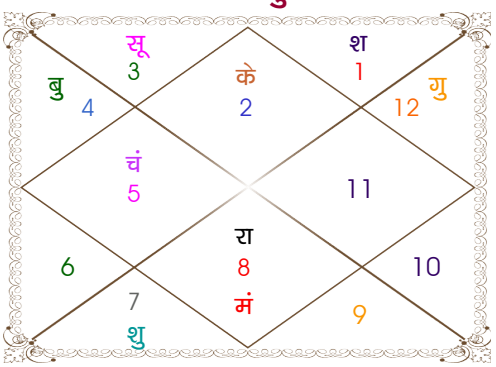

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 17 वर्ष 7 मास 0 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
25/12/1974		25/07/1992		26/07/1998		25/07/2008		26/07/2015	
25/07/1992		26/07/1998		25/07/2008		26/07/2015		26/07/2033	
शुक्र	25/11/1975	सूर्य	12/11/1992	चंद्र	26/05/1999	मंगल	22/12/2008	राहु	07/04/2018
सूर्य	24/11/1976	चंद्र	14/05/1993	मंगल	25/12/1999	राहु	09/01/2010	गुरु	31/08/2020
चंद्र	26/07/1978	मंगल	18/09/1993	राहु	25/06/2001	गुरु	16/12/2010	शनि	08/07/2023
मंगल	25/09/1979	राहु	13/08/1994	गुरु	25/10/2002	शनि	25/01/2012	बुध	24/01/2026
राहु	25/09/1982	गुरु	01/06/1995	शनि	26/05/2004	बुध	21/01/2013	केतु	12/02/2027
गुरु	26/05/1985	शनि	13/05/1996	बुध	25/10/2005	केतु	19/06/2013	शुक्र	12/02/2030
शनि	25/07/1988	बुध	20/03/1997	केतु	26/05/2006	शुक्र	19/08/2014	सूर्य	06/01/2031
बुध	26/05/1991	केतु	26/07/1997	शुक्र	25/01/2008	सूर्य	25/12/2014	चंद्र	07/07/2032
केतु	25/07/1992	शुक्र	26/07/1998	सूर्य	25/07/2008	चंद्र	26/07/2015	मंगल	26/07/2033

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
26/07/2033		26/07/2049		25/07/2068		26/07/2085		25/07/2092	
26/07/2049		25/07/2068		26/07/2085		25/07/2092		00/00/0000	
गुरु	13/09/2035	शनि	28/07/2052	बुध	22/12/2070	केतु	22/12/2085	शुक्र	25/12/2094
शनि	26/03/2038	बुध	08/04/2055	केतु	19/12/2071	शुक्र	21/02/2087		00/00/0000
बुध	01/07/2040	केतु	16/05/2056	शुक्र	19/10/2074	सूर्य	29/06/2087		00/00/0000
केतु	07/06/2041	शुक्र	17/07/2059	सूर्य	26/08/2075	चंद्र	28/01/2088		00/00/0000
शुक्र	06/02/2044	सूर्य	28/06/2060	चंद्र	24/01/2077	मंगल	25/06/2088		00/00/0000
सूर्य	24/11/2044	चंद्र	27/01/2062	मंगल	21/01/2078	राहु	13/07/2089		00/00/0000
चंद्र	26/03/2046	मंगल	08/03/2063	राहु	10/08/2080	गुरु	19/06/2090		00/00/0000
मंगल	02/03/2047	राहु	12/01/2066	गुरु	16/11/2082	शनि	29/07/2091		00/00/0000
राहु	26/07/2049	गुरु	25/07/2068	शनि	26/07/2085	बुध	25/07/2092		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 17 वर्ष 6 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।